दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 28.02.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 28.02.2025 गोरखपुर। महाविद्यालय में **युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला के उपलक्ष्य में गणित एवं वनस्पति विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान दिवस** के अवसर पर **'वैज्ञानिक शोध में गणितिय मॉडल मे उपयोगिता'** विषय पर बतौर **मुख्य अतिथि प्रो. अश्विनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर** ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए गणितिय मॉडल की उपयोगिता कोरोना काल में सर्वाधिक सिद्ध हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाला समय उसी देश का होगा जो देश तकनीकी व नवाचार में सर्वोच्च स्थान पर होगा इसके लिए हमें भूतकाल से सीखकर भविष्य के राष्ट्र निर्माण हेतु वर्तमान में युवाओं को प्रोत्साहित करना होगा। भारतीय ज्ञान परम्परा के महान पुरूषों ने अपने ज्ञान से ही इसे समृद्ध बनाया।

कार्यक्रम के **विशिष्ट अतिथि प्रो. विजय शंकर वर्मा, अध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** ने कहा कि गणितीय मॉडल जीवन के हर क्षेत्र में प्रयोग होता है उदाहरण के तौर पर गणितीय मॉडल का उपयोग करते हुए मृतक व्यक्ति की मृत्यु किस समय हुई इसका आकलन न्यूटन के शीतलन नियम (न्यूटन कूलिंग लॉ) द्वारा गणना करके बताया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने किसी भी व्यक्ति/शरीर के विभिन्न अंग की लम्बाई एक निश्चित उम्र में कितनी होगी इसके लिए एक गणितीय मॉडल का प्रयोग करके दर्शाया।

कार्यक्रम की **अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि गणित व ज्यामिति का ज्ञान होना हमारी बौद्धिक ज्ञान का प्रमाण है। डेटा विश्लेषण के द्वारा ही आज के समय में चुनाव सर्वेक्षण किय जाते है। इस प्रकार इस गणितीय मॉडल का प्रयोग विभिन्न पार्टियां अपने चुनावी तैयारी में करती है। इसी के साथ अन्य विभागों में भी इस मॉडल का प्रयोग किया जाता है। इसी क्रम में वर्तमान महाकुंभ में ए.आई. व गणितीय मॉडल के संयुक्त प्रयोग से श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टिकोण से भी गणितीय मॉडल की उपयोगिता अपरिहार्य है।

कार्यक्रम का संचालन व प्रस्ताविकी गणित विभाग के प्रभारी, डॉ. सूरज कुमार शुक्ल ने किया एवं आभार ज्ञापन प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. ने किया। उक्त कार्यक्रम में श्री धर्मचन्द विश्वकर्मा, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. नीतिश शुक्ला, डॉ. अजेय कुमार तिवारी, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अनुराधा सिंह, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, श्री रामपाल मौर्य, डॉ. आनन्द कुमार मिश्रा, श्री कौशल प्रताप सिंह, डॉ. शैलेश कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारी व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क